

**नारि स्त्री.** (तत्.) 1. नारी, स्त्री, युवती 2. समूह, झुंड 2. आगार, भंडार (तद्.) 1. बड़ी तोप, विशेष रूप से हाथी पर रखकर चलाई जाने वाली तोप 3. गरदन 4. धनुष को बाँधने की डोरी ।

**नारिअर/नारियर पुं.** (तद्.) नारियल, नारिकेल।

**नारिक वि.** (तत्.) 1. जल संबंधी, जल का 2. जल से युक्त, जलयुक्त।

**नारिकेर पुं.** (तद्.) 1. नारिकेल, नारियल का वृक्ष 2. नारियल का फल।

**नारिकेरी स्त्री.** (तद्.) नारिकेली।

**नारिकेल पुं.** (तत्.) 1. नारियल का वृक्ष 2. नारियल का फल।

**नारिकेल-क्षीरी स्त्री.** (तत्.) दूध में नारियल की गरी डालकर बनाई जाने वाली खीर।

**नारिकेल-खंड पुं.** (तत्.) वन. नारियल की गरी से बनाई जाने वाली एक प्रकार की ओषधि।

**नारिकेली स्त्री.** (तत्.) नारियल के पानी से बनाई जाने वाली एक प्रकार की मदिरा।

**नारिदान पुं.** (देश.) नाबदान, पनाला, मकान की मोरी।

**नारिमाला स्त्री.** (तद्.+तत्.) हल के पीछे लगी नली और उसके ऊपर का पात्र जिसमें बोए जाने वाले बीज डाले जाते हैं।

**नारियरु पुं.** (तद्.) नारियल।

**नारियल पुं.** (तद्.) समुद्र के किनारे और उसके आस-पास की भूमि में होने वाला खजूर की जाति का ऊँचा, बड़ा पेड़, जिसके भीतर सफेद, मीठी गरी होती है।

**नारियल पूर्णिमा स्त्री.** (तद्.) कोंकण में मनाया जाने वाला एक उत्सव जिसमें समुद्र में नारियल फेंकते हैं।

**नारियली स्त्री.** (तद्.) 1. नारियल की ताड़ी 2. नारियल से बनी वस्तु 3. नारियल की खोपड़ी 4. नारियल की खोपड़ी से बना हुक्का।

**नारी स्त्री.** (तत्.) स्त्री, युवती, औरत (देश.) 1. नाड़ी 2. हल का जुआ 3. बैल या भैंस के गले में बाँधने की रस्सी।

**नारी-कवच पुं.** (तत्.) एक सूर्यवंशी राजा जिसे स्त्रियों ने घेरकर परशुराम से वध किए जाने से बचा लिया था, क्षत्रियों का वंश-विस्तार इन्हीं से माना जाता है।

**नारीकेल पुं.** (तत्.) नारियल।

**नारीच पुं.** (तद्.) नालिता नाम का शाक।

**नारीतरंगक पुं.** (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो नारी का हृदय तरंगित करे 2. प्रेमी 3. व्यभिचारी व्यक्ति।

**नारीतीर्थ पुं.** (तत्.) एक तीर्थ जहाँ अर्जुन ने ब्राह्मण केशपसे ग्राह बनी हुई पाँच अप्सराओं का उद्धार किया था।

**नारीत्व पुं.** (तत्.) नारी होने का गुण या भाव, नारीभाव, स्त्रीत्व।

**नारीमुख पुं.** (तत्.) एक प्राचीन देश।

**नारीण्टा स्त्री.** (तत्.) चमेली, मल्लिका।

**नारुंतुद वि.** (तत्.) जिसके शरीर पर कोई आघात न लगता हो।

**नारु पुं.** (देश.) 1. जूँ 2. एक रोग जिसमें शरीर पर फुंसियाँ हो जाती हैं और फुंसियों में से लंबे-लंबे सफेद कीड़े निकलते हैं।

**नारेबाज वि.** (अर.) नारे लगाने वाला।

**नारेबाजी स्त्री.** (अर.) नारे लगाने का भाव या क्रिया, नारे लगाना।

**नार्कोटिक वि.** (अं.) नींद या बेहोशी लाने वाला जैसे- नार्कोटिक औषधियों के सेवन के आदी व्यक्तियों की दुर्दशा होती है।

**नार्दल पुं.** (देश.) पुरानी चाल का एक प्रकार का बाजा।

**नारपत्य वि.** (तत्.) नृपति अर्थात् राजा से संबंध रखने वाला।